triction on the movement of wheat from Punjab to Delhi effective steps should be taken to stop smuggling of wheat from Delhi to the adjoining States.

Food Situation

*111. **Shri D. C. Sharma:**
Shri Yashpal Singh:
Shri S. M. Banerjee:
Shrimati Savitri Nigam:
Shri Hukam Chand Kachhavaiya:
Shri Onkar Lal Berwa:
Shri Prakash Vir Shastri:
Shri Jagdev Singh Siddhanti:
Shri R. S. Tiwary:
Shri R. G. Dubey:
Shri D. N. Tiwary:
Shri P. H. Bheel:
Shri Narendra Singh Mahida:
Shri Solanki:
Shri Narasimha Reddy:
Shri Surendra Pal Singh:
Shri Heda:
Shri Mohan Swarup:
Shri Hem Raj:
Shri Man Sinh P. Patel:
Shri P. C. Borooah:
Shri Ramachandra Ulaka:
Shri Dhuleshwar Meena:
Shri Krishnapal Singh:
Shri Vishwa Nath Pandey:

Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) the present position in regard to the scarcity of foodgrains in the various States and Union Territories;

(b) the demands made by the different States and Union Territories for the supply of foodgrains from the Centre during the last three months; and

(c) the allotments made by the Centre and the quantities actually supplied?

The Minister of Food and Agriculture (Shri C. Subramaniam): (a) The food situation in the country has improved after the arrival of the last *Kharif* crops.

(b) and (c). The requirements of the States are considered from time to time in consultation with the State Governments and supplies are arranged having regard to their needs and the overall availability of foodgrains with the Central Government. A statement showing the allotments of foodgrains made and the quantities actually supplied from Central stocks to the different States and Union Territories during the three months November, 1964 to January, 1965 is placed on the Table of the Sabha. [*Placed in Library. See* No. LT-3830/65].

सामुदायिक विकास तथा सहकार मन्त्रालय तथा खाद्य तथा कृषि मन्त्रालय का विलय

*112. **श्री गो० महन्ती :**
श्री स० ब० पाटिल :
श्री ग्र० ना० विद्यालंकार :
श्री जं० ब० सिं० विष्ट :
श्री सुबोध हंसदा :
श्री दलजीत सिंह :
श्री यशपाल सिंह :
श्री सुरेन्द्र पाल सिंह :
श्री सिद्धेश्वर प्रसाद :
महाराजकुमार विजय आनन्द:
श्री मान सिंह पु० पटेल :
श्री सुरेन्द्रनाथ द्विवेदी :
श्रीमती सावित्री निगम :
श्री रा० देश्वर टांटिया :
श्रीमती रामदुलारी सिन्हा :
श्री पें० वेंकटासुब्बया :
श्रीमती मैमूना सुल्तान
श्री रा० बरुआ :
श्री प्र० रं० चक्रवर्ती :
श्री पराशर :

क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री 1 दिसम्बर, 1964 के तारांकित प्रश्न संख्या 297 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) खाद्य तथा कृषि और सामुदायिक विकास तथा सहकार विभागों के कार्यों में

अधिक समन्वय स्थापित करने के लिये श्री बी० शंकर द्वारा क्या-क्या सिफारिशें की गई हैं; और

(ख) इन सिफारिशों को कार्यान्वित करने के लिए सरकार ने क्या निर्णय किया हैं ?

खाद्य तथा कृषि मन्त्री (श्री चि० सुब्रह्मण्यम) : (क) रिपोर्ट की मुख्य सिफारिशों को प्रदर्शित करने वाला एक विवरण नीचे दिया गया है ।

विवरण

श्री बी० शंकर ने खाद्य और कृषि तथा सामुदायिक विकास और सहकार विभागों के बीच प्रभावशाली समन्वय स्थापित करने के लिए जो सिफारिशें की हैं उनका सार निम्न प्रकार है :—

(1) एक सचिव के अधीन कृषि, अनुसन्धान, विस्तार, प्रचार तथा योजना का एक विभाग होना चाहिए जिसमें सहायता के लिए उपयुक्त संख्या में संयुक्त सचिव तथा अन्य कर्मचारी हों । भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् इस विभाग के अधीन होनी चाहिए और सचिव तथा अन्य उपयुक्त अधिकारी भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् के पदेन अधिकारी होने चाहियें ।

(2) एक सचिव की देख रेख में कृषि उत्पादन तथा प्रशासन विभाग होना चाहिए और सचिव की सहायता के लिए एक विशेष सचिव तथा दो अवर सचिव होने चाहिये, जिनमें से एक अवर सचिव सामुदायिक विकास और पंचायतराज, विशेष सचिव प्रशासन, समन्वय, वन विज्ञान तथा मंत्रालय की कुछ सांझा सेवायें तथा दूसरा अवर सचिव सघन कृषि क्षेत्र व सघन कृषि विकास कार्यक्रमों की देखभाल करे ।

(3) सहकारिता विभाग एक सचिव या विशेष सचिव के अधीन होना चाहिए और उनकी सहायता के लिए आवश्यकता अनुसार कर्मचारी होने चाहिय ।

(4) खाद्य विभाग एक सचिव के अधीन होना चाहिये और उनके पास गन्ना अनुसन्धान तथा उत्पादन और इनसे सम्बन्धित विषयों को छोड़कर और विपणन (जोकि इस समय कृषि विभाग के पास हैं) को शामिल करके वे समस्त विषय होने चाहिये जो कि इस समय खाद्य विभाग के पास हैं । यह विभाग खाद्य और कृषि विभाग में सम्पन्न होने वाले कृषि पण्यों या कृषि पर आश्रित उद्योग उत्पादों से सम्बन्धित कार्य की भी देखभाल करे ।

मंत्रालय के कार्यों में समन्वय रखने के लिए खाद्य और कृषि मंत्री आवश्यकता के अनुसार और कम-से-कम महीने में एक बार अपने साथी अन्य मंत्रियों, सचिवों तथा विशेष अथवा अपर सचिवों से मिलकर योजना की प्रगति तथा विभाग से सम्बन्धित कार्यों, समन्वय विषयक मामलों पर विचार विमर्श करके उन समस्याओं तथा अड़चनों का समाधान करें जिनके कारण मंत्रालय में अन्तः विभागी कठिनाइयां उत्पन्न होती हैं । इस बैठक में मंत्रालय के योजना तथा नीति सम्बन्धी महत्वपूर्ण विषयों पर भी सामूहिक रूप से विचार विमर्श होना चाहिए ताकि योजना की कारगर तथा सफलतापूर्वक क्रियान्विति के लिए समस्त विभागों को प्रोत्साहित किया जा सके ।

(ख) सिफारिशों की जांच पड़ताल की जा रही है और उसके बाद निर्णय किया जायेगा ।

Indian Airlines Corporation

*113. **Shri Vidya Charan Shukla:**
Dr. L. M. Singhvi:

Will the Minister of **Civil Aviatoin** be pleased to state:

(a) whether any conclusions have been arrived at in the inquiry initia-